जन्मोत्सव | सिहोरा, बेलखाडू, बोरिया, मंझौली, पनागर, पाटन सहित आसपास के क्षेत्रों में हुए विविध आयोजन, स्कूलों में भी रहीं जन्माष्टमी की धूम

कृष्ण के जन्म लेते ही मंदिरों में गूंजा जय कन्हैयालाल का उद्घोष

कृष्ण जन्माष्टमी पर सिहोरा, बेलखाडू, बोरिया, मंझौली, पनागर, पाटन सहित आसपास के मंदिरों में भगवान के जन्म पर जहां मंदिरों में जय कन्हैयालाल की हाथी घोड़ा पालकी के उद्घोष गुंजायमान हुए वहीं स्कूलों में भगवान की लीलाओं से संबंधित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भगवान के जन्मदिन का सिलसिला देर रात्रि तक अनवरत चलता रहा और भक्त पूरी श्रद्धा से भगवान की भक्ति में लीन रहे।

जन्माष्टमी पर पनागर में भगवान श्री कृष्ण की निकली शोभायात्रा

पनागर नवभारत 4 सितंबर। जन्माष्टमी पर्व हर्ष उल्लास और भक्ति मय वातावरण में मनाया गया। दोपहर में अभिमन्यु चौक में सभी अतिथि का एकत्रित हुए। भगवान श्री कृष्ण की समस्त उपस्थित लोगों ने पूजा अर्चना की तत्पश्चात एक विशाल शोभायात्रा पथरहाई प्रताप वार्ड होती हुई पूर्व कमानिया स्थल पहुंची। जगह-जगह भगवान श्री कृष्णा राधा जी की पूजा अर्चना करने लोगों ने झांकियों को रोका। ग्रामीण क्षेत्र से बनेती और मुकद्दर के साथ-साथ अखाड़े के युवा लोगों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति की गई जिसका आनंद पूरे नगर वासियों ने लिया। यादव महासभा पनागर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में युवा मंडली द्वारा भी मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तो वही छोटी-छोटी नन्ही नन्ही बालिकाओं ने भी नृत्य प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में रामकुमार यादव बड्डू विजय यादव संभागीय अध्यक्ष प्रदीप पटेल भी अध्यक्ष नगर पालिका महेंद्र चक्रवर्ती अधिवक्ता उपाध्यक्ष नगर पालिका राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि विमल जैन, रामनिवास गौतम, गोरेलाल यादव, केशव यादव, सतीश यादव गोपी यादव, शरद यादव, मनीष यादव,वरिष्ठ नेता संतोष सैनी पार्षद प्रमोद पटेल पार्षद बेड़ी लाल कुशवाहा पूर्व पार्षद कैशलाल रजक रंजीत यादव अनिल दुबे तुलसीराम अशोक चौधरी प्रमोद चौधरी अजय यादव सेकु यादव, ताराचंद यादव, सुनील प्रजापति, विजय राय, वीरेन दास बैरागी जगन्नाथ यादव, रामदास पटेल के साथ-साथ भारी जन समूह भी उपस्थित थे।

जन्माष्टमी पर नृत्य गोपाल के स्वागत लिए सजे पाटन के मार्ग

पाटन नवभारत 4 सितंबर। लीला पुरुषोत्तम नट नागर, आनंदकंद कृष्ण कन्हैया का जन्मोत्सव पर्व जन्माष्टमी पाटन में उत्साह भरे वातावरण में मनाया गया। 31 वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार भगवान नृत्य गोपाल जी समिति और यादव समाज पाटन की सम्मिलित शोभायात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरी। लोगों ने अपने घर द्वारों को और यात्रा मार्ग को आकर्षक सजावट करके सजाया था। धर्म प्रेमी जनों ने स्थान स्थान पर मिष्ठान, फल, मेवे के लड्डू बांटकर और पूजन कर भगवान को अपनी श्रद्धा निवेदित की। शोभायात्रा में भगवान कृष्ण के जीवन चरित्र से संबंधित झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शोभायात्रा में नगर एवं ग्रामीण अंचल के गणमान्य जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नृत्य गोपाल मंदिर लोक न्यास पाटन की ओर से ठाकुर रणधीर सिंह,विमल कुमार जैन, आचार्य जगेंद्र सिंह, जुगल किशोर अग्रवाल, राघवेंद्र शुक्ल, आशीष वैद्य ने सभी जनों का आभार व्यक्त किया।

महिला बाल विकास केन्द्रों में मनाया जन्माष्टमी उत्सव

बिलखरवा और बोरिया में जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुईं महिला बाल विकास अधिकारी

बेलखाडू नवभारत 4 सितंबर। आंगनबाड़ी केंद्र बिलखरबा एवं आंगनबाड़ी केंद्र बोरिया में आज कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर धात्री महिलाओं से संवाद, पौष्टिक आहार की जानकारी,साथ ही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों से रूबरू होने के लिए जबलपुर महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक अधिकारी पहुंची। आंगनबाड़ी में बच्चों के खेल में शामिल होकर श्रीकृष्ण पूजन के बाद नन्हे बच्चों द्वारा आंख में पट्टी बांधकर मटकी फोड़ने का कार्यक्रम भी मौके पर देखा और बच्चों को खेल, आध्यात्म का महत्व समझाया।

इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र के दौरा कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से जिला महिला बाल विकास संयुक्त संचालिका मनीषा लुम्बा, शहपुरा परियोजना अधिकारी सुनेंद्र सदाफल, प्रभारी पाटन परियोजना अधिकारी प्रतिभा पटेल, सेक्टर पर्यवेक्षक रत्ना पटेल नूनसर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आरती तिवारी, सहायिका रोशनी बर्मन,इमरती साहू, उपसरपंच पप्पू पटेल, राजकुमार लोधी, उमा शंकर तिवारी, श्रीमती सुधा पटेल, धीरेंद्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी गण उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी बेलखाडू में दिखाईं कान्हा की लीलाएं

बेलखाडू नवभारत 4 सितंबर। आज कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र बेलखाडू में नन्हे बच्चों को श्रीकृष्ण राधा के रूप में सजाकर विभिन्न कार्यक्रम कराए गए। आंगनबाड़ी सहायिका पूजा ठाकुर ने बच्चों के माताओं को भी आंगनबाड़ी में आमंत्रित कर सभी के सहयोग से उत्सव मनाया।

बच्चों को कृष्ण रूप में सजाकर काटा केक

बेलखाडू नवभारत 4 सितंबर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन पर आज गांव में घर-घर लोगो ने सुबह से व्रत रखते हुए विधि-विधान से पूजन किया। मंदिरों विशेष साफ सफाई कर भगवान को स्नान कराकर और उन्हें नवीन वस्त्रों को पहनाकर रात्रि में विशेष पूजन किया गया। भगवान को इत्र, फूल अर्पित कर पंचमेवा, श्रीफल, मिष्ठान के भोग लगाए। यहां कई जगह श्रीकृष्ण के जन्मदिन की खुशी में केक काटे गए। लोगों ने आज के परिवेश के अनुसार श्रीकृष्ण के बाल अवस्था के जन्म की खुशियां घरों में केक काटकर मनाइ। साथ ही जिन घरों में छोटे बच्चे हैं उन्हें कृष्ण रूप में सजाकर साथ ही घरों की साज सज्जा, गीत, नृत्य कर जन्म उत्सव मनाया।

जन्माष्टमी पर बोरिया में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बोरिया नवभारत 4 सितंबर। कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आज घर-घर में श्रद्धा और उल्लास से उत्सव मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण का विधिवत पूजन अर्चन कर भोग-प्रसाद चढ़ाकर धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया गया। लोगों ने दिन के अलावा रात्रि में विशेष पूजन किया। श्रीकृष्ण जन्म को लेकर सबसे ज्यादा बच्चे उत्साहित दिखे। कई घरों में बच्चों ने भगवान के जन्मदिन पर केक भी काटे। ग्राम बोरिया रमखिरिया और आस पास के गाँव में युवाओं ने मटकी फोड़ का आयोजन किया जिसमे बच्चो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

आवास शिविर में हितग्राहियों को मिला संतोषजनक समाधान

गांधीग्राम में महिला सरपंच के प्रयास की सराहना

गांधीग्राम 4 सितंबर। गत दिवस गांधीग्राम पंचायत भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक विशेष समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सरपंच राधा चौरसिया ने की। इस शिविर में क्षेत्र की 12 ग्राम पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और आवास योजना से जुड़े बड़ी संख्या में हितग्राही शामिल हुए। शिविर का मुख्य उद्देश्य आवास निर्माण से जुड़ी अड़चनों को दूर करना और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना था।

कार्यक्रम के दौरान ब्लाक समन्वयक अमर सिंह पटवा और पंचायत समन्वयक अधिकारी मनोज राय के मार्गदर्शन में विभिन्न जटिल मामलों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सभी 12 पंचायतों के सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों को लंबित आवासों का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। डिस्ट्रिक्ट जीआइएस पोर्टल पर समय पर डाटा फीडिंग सुनिश्चित करने, सितंबर के नवीन टैक्स लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत कर वसूली करने पूरा सहयोग प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। आवास निर्माण से जुड़ी तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं का परीक्षण कर 84 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया।

बारिश से बिगड़े हालात, जलभराव से लोग परेशान

चरगवा 4 सितंबर। अहमदपुर पंचायत में नालियां जाम होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश होते ही पंचायत में जगह-जगह जलभराव हो गया है और सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर ध्यान न देने का आरोप लगाते हुए तत्काल सफाई की मांग की है। सरपंच सुरेंद्र पटेल ने कहा कि नालियों की सफाई बार-बार कराई जाती है, लेकिन कुछ लोग उनमें कूड़ा-कचरा और मुरम डाल देते हैं, जिससे वह बार-बार जाम हो जाती हैं। उन्होंने लोगों से नालियों में कचरा न डालने की अपील की है। परेशान ग्रामीणों ने अब प्रशासन से मांग की है कि जेसीबी और सफाई दल भेजकर पंचायत की सभी नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए।

बोरिया के पास पेड़ गिरने से दमोह रोड रहा बंद

विद्युत मंडल कर्मियों ने कुछ घंटों में चालू करवाया रास्ता

बोरिया नवभारत 4 सितंबर। कटंगी रोड पर बोरिया ग्राम के समीप 14 मील पर गुरुवार को रात्रि 11 के लगभग एक पेड़ अचानक बारिश के चलते धराशाही हो गया। जिससे रात्रि में यातायात अवरुद्ध हो गया।

एनएचएआई 34 की इस सड़क को पूरे पेड़ की डाल और तने के फैल जाने से आवागमन बाधित हो गया। बोरिया विद्युत मंडल के कर्मचारियों को काफी समय बाद इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने सूझ बूझ दिखाते हुए पेड़ की डालियों को इस हद तक अलग किया कि एक साइड से वाहनों का आवाजाही शुरू हो गई। आज शुक्रवार को पुन: दिन में पेड़ हटाने की प्रक्रिया की गई। जिस के बाद दमोह रोड पर आवागमन सुगमता से जारी हुआ। हालांकि पूरा पेड़ हटाने में वक्त लगेगा।

हौसला | मझौली के प्रदीप चक्रवर्ती ने ईंट का सांचा बनाने से की शुरुआत, अब फर्नीचर बनाकर कर रहे परिवार का भरण-पोषण

पोलियो को मात देकर हुनर को बनाया सहारा

जबलपुर, 4 सितंबर। हौसले और हुनर के सामने शारीरिक चुनौतियां भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पातीं। मझौली के प्रदीप चक्रवर्ती इसकी मिसाल हैं। प्रदीप बचपन से ही पोलियो से ग्रसित हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने हुनर और मेहनत के दम पर घर से ही फर्नीचर बनाने का काम शुरू किया और आज इसी काम से परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। वे सालाना करीब दो से ढाई लाख रुपए तक की आय अर्जित कर लेते हैं।

प्रदीप बताते हैं कि उनके पिता सिंचाई विभाग में नौकरी करते थे और बरगी बांध के निर्माण के दौरान वहां पदस्थ रहे। बचपन में वे पिता को देखते थे कि नौकरी के कारण उन्हें घर पर रुकने का ज्यादा समय नहीं मिलता था। कई बार भोजन करने के बाद ही उन्हें वापस काम पर लौटना पड़ता था। पिता की नौकरी को देखते हुए बचपन में ही उनके मन में यह बात बैठ गई कि भविष्य में वे कुछ अलग तरह का काम करेंगे, जिससे अपने परिवार के बीच रहकर काम कर सकें। वे बताते हैं कि उनका पारंपरिक काम ईंट से जुड़ा हुआ था, लेकिन इसमें मेहनत अधिक होती थी। उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए ऐसा काम करना उनके लिए आसान नहीं था। इसलिए उन्होंने ऐसा काम तलाशना शुरू किया, जिसे वे घर में रहकर अपनी क्षमता के अनुसार कर सकें। इसी सोच के साथ उन्होंने फर्नीचर बनाने के काम की ओर कदम बढ़ाया।

पहले ईंट का सांचा फिर फर्नीचर बनाने में जुटे

प्रदीप बताते हैं कि पहले के समय में ईंट तैयार करने के लिए सांचा आसानी से उपलब्ध नहीं होते थे। उन्होंने खुद लकड़ी से ईंट का सांचा बनाने का काम सीखना शुरू किया। धीरे-धीरे लकड़ी के काम में उनकी पकड़ मजबूत होती गई और आज वे पलंग, सोफा सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर तैयार कर लेते हैं। वे बताते हैं कि उन्होंने यह काम किसी संस्थान या प्रशिक्षण केंद्र से नियमित रूप से नहीं सीखा। आसपास के काम और अपने अनुभव से उन्होंने हुनर विकसित किया। शुरुआत में फर्नीचर बनाने के लिए हथौड़े और दूसरे पारंपरिक औजारों का इस्तेमाल किया जाता था। अब आधुनिक तकनीक ने काम को काफी आसान कर दिया है। राउटर मशीन की मदद से फर्नीचर पर डिजाइन और मार्किंग का काम आसानी से किया जाता है। प्रदीप इसी तकनीक का इस्तेमाल कर पलंग, सोफा और अन्य फर्नीचर तैयार करते हैं। उनका ज्यादातर काम मझौली और आसपास के स्थानीय क्षेत्र में ही होता है।

पांच बेटियों की जिम्मेदारी, एक बेटी बनी सीएचओ

प्रदीप के परिवार में उनकी पत्नी और पांच बेटियां हैं। पांच में से दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि तीन बेटियां अभी पढ़ाई कर रही हैं। उनकी एक बेटी स्वास्थ्य विभाग में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के पद पर कार्यरत है और मझौली क्षेत्र में ही पदस्थ है। प्रदीप के लिए यह उपलब्धि विशेष संतोष की बात है। खुद बचपन से शारीरिक चुनौती का सामना करते हुए उन्होंने न केवल अपने लिए रोजगार खड़ा किया, बल्कि अपनी बेटियों की पढ़ाई और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए भी लगातार मेहनत की।

प्रदीप कहते हैं कि किसी भी काम की शुरुआत आसान नहीं होती। उन्हें भी शुरुआती दौर में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने काम बंद नहीं किया। मन में कुछ अलग करने की इच्छा थी, इसलिए उसी दिशा में लगातार प्रयास करते रहे। वे कहते हैं, 'मन में कुछ हटकर करने का रहा, तो उसी को लेकर आगे बढ़े। धीरे-धीरे शुरुआत की और जब काम चलने लगा तो उसे भी धीरे-धीरे बढ़ाते गए। आज इसी काम से परिवार चल रहा है।

सड़क पर फैले गंदे पानी से गुजरने को राहगीर मजबूर

मझौली 4 सितंबर। नगर के मुख्य मार्ग बानी मझौली-जबलपुर रोड पर जलभराव की समस्या ने राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस मार्ग पर आए दिन सड़क के ऊपर पानी बहता रहता है, जिससे रोजाना आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थिति तब और अधिक गंभीर हो जाती है जब बारिश का मौसम होता है। बारिश के दौरान जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था न होने के कारण पूरा मुख्य मार्ग पानी से भर जाता है, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित होता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क के दोनों किनारों पर पानी की निकासी के लिए उचित नालियों का अभाव है, जिसके कारण गंदा सड़क पर फैला हुआ कीचड़युक्त पानी और पानी सीधे सड़क पर जमा हो जाता है। लंबे समय तक पानी भरे रहने के कारण न केवल मार्ग पर कीचड़ और गंदगी फैलती है, बल्कि सड़क के टूटने और खराब होने की भी आशंका लगातार बनी रहती है। पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए इस गंदे पानी के बीच से गुजरना बेहद विवशता भरा और कष्टदायक हो गया है। इस गंभीर समस्या से त्रस्त होकर नगरवासियों ने नगर परिषद से त्वरित और ठोस कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को जल्द से जल्द मझौली-जबलपुर रोड पर जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। नागरिकों ने मांग की है कि जनता को इस दुरूह समस्या से हमेशा के लिए राहत दिलाई जाये ।